Padma Bhushan



MAHASHAY DHARAM PAL GULATI

Mahashay Dharampal Gulati is the Chairman & Managing Director of India's prestigious masala company Mahashian Di Hatti (Pvt.) Limited (MDH). MDH is actively participating in the field of production & sales of pure spices for the last 100 years. Name and flavours of MDH brand spices are famous all over the world. The Purity & Quality of MDH spices is the identity of MDH.

2. Born on March 27, 1924, in a reputed family of Sialkot (presently in Pakistan), Mahashayji did his schooling from Arya Samaj School and before completing 5th class he joined the ancestral spices business and along with that he started learning other works too. Due to partition of India in 1947, he came to Delhi and bought one Tonga for Rs. 650/- and rode it for few days to earn his livelihood. After that, he thought of doing something big and then he again started his ancestral spices business in Delhi. With strong passion and hard work, he took his MDH Company to newer heights and made a special identity in the field of Purity & Quality of MDH Spices.

3. Mahashay Ji kept the purity of spices in the first place and showed the sense of national service and honour in it. Due to this strong belief, MDH Company is continuously working towards illuminating the name of our country internationally. Mahashayji has brought international fame by reviving the old honour in the world of spices.

4. Mahashay Ji's foresight and leadership capability are extraordinary. Even today at the age of 95, he feels young at heart, mind & body. The secret lies in his hardwork, patience, time management and discipline. His ability is pure & real like flavours of spices. His ideal lifestyle is inspirational for many people. He wakes up at 4:15 am daily irrespective of the season and goes to park to do regular exercises like Walk, Pranayam, Yoga, Meditation etc. He performs daily Yajna (Hawan) at home in the morning. His Face is very much popular on the Indian Television often seen in MDH ads as "Asli Masale Sach-Sach, MDH-MDH" and Real Spices since1919. He may be one of the Oldest Brand Ambassador by age in the World. His Biography "Ek Tange Wala Kaise Bana Masalon Ka Shahenshah" is very popular.

5. MDH presence is worldwide with the range of more than 50 products in 120 different packages & MDH Products are exported to more than 60 countries in the world. Today MDH has 18 factories in India, office & warehouse in UK and State of the art Manufacturing Unit in Dubai (UAE). Mahashay Ji has guided many veterans and got inspired by many socialites. Today Mahashay Ji is top listed among Indian entrepreneurs. Various News Channels has made programmes on him and telecast them from time to time. His inspirational stories and programmes can also be viewed on YouTube.

6. Mahashay Ji has dedicated the business for the service to the society and mankind at large. Besides being an ace industrialist, he not only is a philanthropist, but also a pillar of strength & support for the weaker section of society. He draws inspiration from the works & teachings of great social reformer& founder of Arya Samaj Maharishi Dayanand Saraswati Ji. He is heading many important Arya Samaj Institutions and Trusts. He has not only put hard work to expand the trade industry but also contributed towards the betterment of the society. As a result of it more than 70 Institutions like Schools, Hospitals, Old Age Homes, Orphanage, Women Shelters, Gowshalas, Arya Samaj, Gurukuls, boarding schools in tribal areas etc. are running in the service of humanity. These social services are executed through Mahashay Dharampal Charitable Trust and Mahashay Chunnilal Charitable Trust.

7. Mahashay Ji has received various awards and honours including "ITID Quality Excellence Award" by the Indian Government for his outstanding contribution in the field of business; "Arch of Europe" for the purity of spices in Europe; "Reader Digest Most Trusted Brand Platinum Award-2008" etc. The Brand Trust report also ranked Brand MDH as India's most trusted Masala brand continuously for 5 years from 2013-2019.

महाशय धर्म पाल गुलाटी



महाशय धर्म पाल गुलाटी भारत की प्रतिष्ठित मसाला कंपनी महाशिया दि हट्टी (प्राइवेट) लिमिटेड (एमडीएच) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं। एमडीएच पिछले सौ वर्षों से शुद्ध मसालों के उत्पादन और बिक्री के क्षेत्र में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। एमडीएच ब्रांड के मसालों का नाम और स्वाद पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। एमडीएच मसालों की शुद्धता एवं गुणवत्ता एमडीएच की पहचान है।

2. आपका जन्म सियालकोट (इस समय पाकिस्तान में) के एक प्रतिष्ठित परिवार में 27 मार्च, 1924 को हुआ। आपने आर्य समाज स्कूल से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की तथा पांचवीं कक्षा पूरी करने से पहले ही आप अपने पैतृक मसाला व्यवसाय से जुड़ गए और साथ-साथ आपने अन्य काम भी सीखने शुरू कर दिए। वर्ष 1947 में भारत के विभाजन के कारण आप दिल्ली आ गए और 650 रुपए में एक तांगा खरीदा तथा अपनी आजीविका अर्जित करने के लिए कुछ दिनों तक इसे चलाया। उसके बाद उन्होंने कुछ बड़ा करने का सोचा और अपने पैतृक मसाला व्यवसाय को शुरू किया। मजबूत इरादे और कड़ी मेहनत से आप अपनी एमडीएच कंपनी को नई ऊंचाई पर ले गए। आपने एमडीएच मसालों की शुद्धता और गुणवत्ता के क्षेत्र में एक विशेष पहचान बनाई।

3. आपने मसालों की शुद्धता को सबसे ऊपर रखा तथा इसमें राष्ट्रीय सेवा और सम्मान का भाव दिखाया। इस अटूट विश्वास के कारण एमडीएच कंपनी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारे देश का नाम रोशन करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। महाशय जी ने मसालों की दुनिया में देश का पुराना गौरव लौटा कर अंतर्राष्ट्रीय ख्याति हासिल की है।

4. महाशय जी की दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता असाधारण है। आज 95 वर्ष की आयु में भी आप हृदय, मन और शरीर से युवा महसूस करते हैं। इसका राज आपकी कड़ी मेहनत, धैर्य, समय प्रबंधन और अनुशासन में निहित है। आपकी क्षमता मसालों के स्वाद की तरह शुद्ध और वास्तविक हैं। आपकी आदर्श जीवन शैली बहुत से लोगों के लिए प्रेरणादायक है। आप मौसम की परवाह किए बिना हर मौसम में प्रतिदिन सुबह 4.15 बजे जग जाते हैं और घूमने, प्राणायाम, योगा, ध्यान आदि जैसे नियमित व्यायाम करने के लिए पार्क जाते हैं। आप सुबह के समय प्रति दिन घर पर यज्ञ (हवन) करते हैं। आपका चेहरा भारतीय दूरदर्शन पर काफी लोकप्रिय है जो एमडीएच विज्ञापनों "असली मसाले सच-सच, एमडीएच-एमडीएच" तथा वर्ष 1919 से असली मसाले में प्राय: देखा जाता है। उम्र के लिहाज से आप विश्व में सर्वाधिक आयु के ब्रांड एम्बेस्डरों में से एक हैं। आपकी जीवनी "एक तांगे वाला कैसे बना मसालों का शहंशाह" बहुत लोकप्रिय है।

5. 120 अलग-अलग पैकेजों में एमडीएच के 50 से अधिक उत्पाद पूरी दुनिया में प्रचलित है और एमडीएच उत्पादों का निर्यात विश्व के 60 से अधिक देशों में किया जाता है। आज भारत में एमडीएच की 18 फैक्ट्रियां हैं, यू. के. में कार्यालय और गोदाम है तथा दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) में अत्याधुनिक मैनुफैक्चरिंग यूनिट है। आपने अनेक बुजुर्गों का मार्गदर्शन किया है और कई समाज सेवियों से प्रेरणा ली है। आज आप भारतीय उद्यमियों की सूची में शीर्ष पर हैं। विभिन्न न्यूज चैनलों ने आपके बारे में वृत्तचित्र तैयार किए हैं और उन्हें समय-समय पर प्रसारित करते हैं। आपकी प्रेरणादायक कहानियां और कार्यक्रम यू. ट्यूब पर भी देखे जा सकते हैं।

6. आपने अपने व्यवसाय को समाज और समस्त मानव जाति की सेवा के लिए समर्पित कर दिया है। आप एक अग्रणी उद्योगपति होने के अलावा, केवल परोपकारी ही नहीं अपितु समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के लिए सामर्थ्य और सहयोग का स्तम्भ भी हैं। आप महान समाज सुधारक और आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती जी की कृतियों और उपदेशों से प्रेरणा लेते हैं।आप कई महत्वपूर्ण आर्य समाज संस्थानों और न्यासों के प्रमुख हैं। आपने न केवल व्यापार उद्योग का विस्तार करने के लिए कड़ी मेहनत की है बल्कि समाज सुधार की दिशा में भी योगदान दिया है। इसके परिणामस्वरूप विद्यालय, अस्पताल, वृद्धावस्था आश्रम, अनाथालय, महिला आश्रम, गौशाला, आर्य समाज, गुरूकुल, जनजातीय क्षेत्रों में बोर्डिंग स्कूल जैसे 70 से अधिक संस्थान मानवता की सेवा में चल रहे हैं। ये सामाजिक सेवाएं महाशय धर्मपाल चैरिटेबल ट्रस्ट और महाशय चुन्नीलाल चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से निष्पादित की जाती है।

7. आपको अनेक पुरस्कारों और सम्मानों से नवाजा गया है जिनमें व्यवसाय के क्षेत्र में आपके उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा "आईटीआईडी क्वालिटी एक्सीलेंस अवार्ड"; यूरोप में मसालों की शुद्धता के लिए "आर्क ऑफ यूरोप; "रीडर डायजेस्ट मोस्ट ट्रस्टेड ब्रांड प्लेटिनम अवार्ड-2008" आदि शामिल हैं। ब्रांड ट्रस्ट रिपोर्ट में भी ब्रांड एमडीएच को 2013 से 2019 तक पांच वर्षों तक लगातार भारत का सर्वाधिक भरोसेमंद मसाला ब्रांड घोषित किया गया है।